प्रेस-विज्ञप्ति **12 जून, 2016**

आज दिनांक 12 जून, 2016 को प्रातः 09:00 बजे से अपरान्ह 12:00 बजे तक मर्चेंट्स चैम्बर के चीफ पैट्रन स्व. डॉ0 गौर हरी सिंहानिया के जन्मदिवस के अवसर पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजान किया गया एवं स्व. डॉ0 गौर हरी सिंहानिया के याद में ही **सायं 07:00** बजे से मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश में **सांस्कृतिक कार्यक्रम "भूले-बिसरे गीत"** का आयोजन किया गया |

इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में दशकों पहले प्रचलित लोक गीत का **निम्नलिखित** कलाकारों स्तुतिकरण किया गया :

कार्यक्रम का आरम्भ सूरज की गर्मी लोक गीत गाकर किया गया जिसमें सभी गायकों ने अपनी सम्मिलित आवाज दिया |

रस्में उल्फत को : प्रगति
जाने कहाँ मेरा जिगर : अरुण एवं प्रगति
तू गंगा की मौज में : अरूण
अभी न जाओ न छोड़कर: अरुण एवं प्रियम
रहे न रहे हम : प्रियम
सावन का महीना : गोपाल एवं प्रियम
कही दूर जब दिन : गोपाल

मेरा जूता है जापानी तथा प्यार हुआ इकरार हुआ पर मर्चेंट्स चैम्बर के अध्यक्ष डॉ. आई. एम. रोहतगी ने अपने द्वारा बजाए गए वादक यन्त्र से धुन देकर श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध किया |

तकदीर से बिगड़ी हुई : शिवानी
बाबू जी धीरे चलना : अदिति
पत्थर के सनम : अरुण
लेके पहला पहला प्यार : अरूण एवं प्रगति
कजरा मोहब्बत वाला : प्रगति एवं प्रियम
ये शाम मस्तानी : राम भाटिया
ओ सजना बरखा बहार : प्रगति
जुबा पर दर्द भारी दासता : गोपाल
जाता कहाँ है दीवाना : अदिति
जरा सी आहट : प्रियम
लागा चुनरी में दाग : अरुण

एवं कार्यक्रम के अंत में सभी गायकों ने सम्मिलित रूप से जीना यहाँ मरना यहाँ पर अपनी आवाज दिया |

इन गानों को सुनकर उपस्थित अतिथिगण अपने गुज़रे जमाने के मधुर संगीत का आनन्द सकें |

श्री स्वतंत्र सिंह जी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया और स्व. डॉ. गौर हरी सिंहानिया जी के उदार व् कानपुर प्रेमी जीवन का विवरण प्रस्तुत किया |

सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य:

मर्चेंट्स चैम्बर के उपाधय्छ श्री पदम् कुमार जैन, चैम्बर के सचिव श्री ए.के. सिन्हा, श्री योगेन्द्र कुमार गुप्ता, श्री प्रेम मनोहर गुप्ता, श्री जुगल किशोर गर्ग, श्री उमेश कुमार पाण्डेय, श्री जे.के. लोहिया, श्री वाई. एस. गर्ग, , श्री आदेश टंडन, श्री एम.एस. अग्रवाल एवं अन्य श्रोतागण भी इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित थे |

सधन्यवाद

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश